स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पढ़े सेक्बी ।

थारू भाषाके ‘क’ वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

वर्ष २३ अंक २७६ वि.सं. २०८३ बैशाख २१ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 04 May 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

“किसानके समस्या क्रमश: समाधान कैबी”

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । कृषि तथा पशुपन्छी विकास एवम् वन तथा वातावरणमन्त्री गीता चौधरी किसानके समस्याहे सरकारसे समाधान करटी लैजैना बटैले बटी ।

धनगढी नगर भल्मन्सा समितिसे अँटवार धनगढीमे आयोजना गरेको भेटघाट एवम् कृषि संवाद कार्यक्रममे उहाँ सरकारसे आपन कार्य योजनानुसार किसानके सक्कु समस्या समाधान कैना बटाइल हुइट । रासायनिक मलके प्रयोगसे जग्गाके अवस्था एकदम बिगरसेकल कहटी मन्त्री कहलै,“सरकारसे माटीक जाँचक कार्य आघे बढासेकल बा ।”

बह्टी रासायनिक मलके प्रयोगके कारण भान्सामे विष पक्टी रहल कहटी चौधरी सरकारसे प्राङ्गारिक मलके प्रयोगहे बढावा डेना बटैली । उहाँ बाँझ जग्गा उपयोग कैना विषयमे अध्ययन, अनुसन्धान करके आघे बह्ना उल्लेख करली । कृषि क्षेत्रके समस्या समाधानके लाग कृषि सम्बन्धी पुराना ऐन, कानुन संशोधन कैना ओ समय सापेक्ष नयाँ कानुन ल्यन्ना मन्त्रीके कहाई बा ।

किसान परिवारसे प्रतिनिधित्व करल कारण किसानके समस्या अपने बुझल उल्लेख करटी मन्त्री चौधरी ठप्ली,“सक्कु जानेक सल्लाह, सुझाव लेके मै कृषकके समस्या समाधानके लाग काम करम ।”

कृषकके ओरसे धनगढी नगर भल्मन्सा समितिके अध्यक्ष रोहित चौधरी मन्त्री चौधरीहे मागपत्र बुझाइल रहिट । किसानसे सहुलियत दरमे समयमे किसानहे मलखाद, इन्धन उपलब्ध हुईपर्ना, कृषि उपकरण सहुलियतमे उपलब्ध हुईपर्ना माग करल रहिट । ओस्टेक करके, किसानसे उत्पादन करल वस्तुके खरिद समर्थन हुईपर्ना, उचित भण्डारनके व्यवस्था हुईपर्ना, छाडा चौपायाके व्यवस्थापन हुईपर्ना माग करले बटै ।

कृषिमे बिचौलिया हाबी रहल उल्लेख करटी समितिके अध्यक्ष चौधरी वास्तविक किसानके पहिचान कैना आवश्यक रहल औंल्यइलै । उहाँ कृषि यान्त्रिक उपकरण पैसा ओ पहुँचमे वितरण हुइना करल कारण वास्तविक किसानसे ओसिन उपकरण पाई नैसेकल बटैली ।

कार्यक्रममे थारु कल्याणकारिणी सभा कैलालीके निबर्तमान कार्यवाहक सभापति माधव थारु कैलाली कञ्चनपुरमे थारु समुदाय ढेर जैसिन बस्ती सामुदायिक वनके किनारमे रहल कहटी अब्बे सरकारसे सार्वजनिक जग्गा खाली करैनामे लागल बेला थारु समुरदायके घरवार विहिन हुइना बटैलै । (बाँकी ४ पेजमे)

कैलाली निर्माण व्यवसायी संघमे जोशी प्यानल सार्वजनिक

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० बैशाख । निर्माण व्यवसायी संघ कैलालीके आगामी अधिवेशनहे लक्षित करटी दिर्घराज जोशी नेतृत्वके प्यानल औपचारिक रूपमे सार्वजनिक करल बा । अध्यक्षके प्रत्याशी दिर्घराज जोशीसे अपन टिम घोषणा करटी सशक्त ओ अनुभवी नेतृत्व प्रस्तुत करल हुइट ।

घोषित प्यानल अनुसार अध्यक्षमे दीर्घराज जोशी रहल बटै कलेसे बरिष्ठ उपाध्यक्षमे धिरेन्द्र साउँद, प्रथम उपाध्यक्षमे बिक्रम बिष्ट ओ द्वितीय उपाध्यक्षमे डम्बर चन्द उम्मेदवार रहल बटै । ओस्टेक करके महासचिवमे अमर बहादुर खड्का, (बाँकी ३ पेजमे)

सुनौलो अवसर ! सुनौलो अवसर !! सुनौलो अवसर !!!
उत्कृष्ट स्वादका साथ **खप्तड कुञ्ज** सेकुवा सेन्टरको सेवा सञ्चालनमा ल्याई रहेको छ ।
हाम्रो यहाँ विभिन्न सेकुवाका परिकारहरू
- खसीको सेकुवा र भुटन
- बंगुरको सेकुवा
- चिकेन सेकुवा र पाङ्ग्रा
- लोकल सिंगल, डबल तडका
- लोकल कुखुराका परिकारहरू
- नास्ताका परिकारहरू
- खानाका परिकारहरू
- चिसो/तातोको व्यवस्था छ

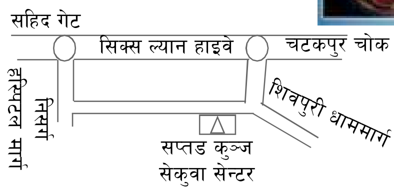

अनुभवी कालीगढबाट खाना, नास्ताका परिकार तयार पारिन्छ ।
हाम्रो सेवाको समय: विहान ८ बजेदेखि राति १० बजेसम्म सेवा सञ्चालन गरिन्छ ।
स्थान: धनगढी उपमहानगरपालिका-४ उत्तर वेहडी शहिद गेट भन्दा माथि न्यू रोड टोल
प्रो. सुरेन्द्र नाथ योगी
मो. नम्बर ९८४८६४५००१

विपन्नके लाग साहारा बन्टी ‘गाउँले डाक्टर’ हरिलाल

अविनाश चौधरी

धनगढी, २० बैशाख । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका–९ गदरियाके ७७ वर्षीय हरिलाल चौधरी विपन्न नागरिकके लाग ‘गाउँले डाक्टर’ साबित हुइल बटै । उपचारके लाग अस्पतालसम पुगे नैसेकल ओ नशा एवं हाडजोर्नीसम्बन्धी समस्या हुइल बिरामीके लाग चौधरी भरपर्दो वैद्य बनल बटै ।

कौनो औपचारिक चिकित्सा शिक्षा हासिल नैकैलेसे फेन उहाँ छोट उमेरसे सिखल सीपके आधारमे बिरामीहे चोख्वइटी आइल बटै । मालिस (मसाज) मार्फत नशासम्बन्धी समस्या समाधानके लाग ओहकानमे दैनिक ५० से ६० जाने बिरामी उपचारके लाग अइना करठै । अइसीक अउइयामे आर्थिक अवस्था कमजोर रहल कारण अस्पताल जाइ नैसेकल ओ कतिपय अस्पतालमे उपचार करैलेसे फेन नैचोखाइल बिरामी रहना रहल बटै ।

“भारतके लखनऊसम पुगके उपचार कराइलमे फेन नैचोखाइल डुर डुरके बिरामी मोर यहाँ अइना करठै,” चौधरी कहलै, “ढेर जैसिन अक्केचो मालिससे ठिक होजैठै, औरेबेर फेनसे नैअइठै ।” उहाँ हाठगोर ओ काँसीक हड्डी टुटल व्यक्तिके समेत परम्परागत विधि ओ जडीबुटीके सहायतासे सफल उपचार कैटी आइल बटै । उहाँ कहलै, “महिन एक्सरे किल डेखाडेलेसे पुगठ, अब्बेसम मै उपचार कैके नैचोखाइल उदाहरण नैहो ।”

अनुभवके आधारमे नशाके समस्या पत्ता लगैना सिपार चौधरी टुटल हड्डी जोर्ना गाउँक एक व्यक्तिसे चिन्हाइल जडीबुटी प्रयोग कैना करल बटै । “छिमेकी बनकट्टा गाउँके एक महिलाके गोर टुटके लखनऊ लैजाँइबर डेढ लाख भारु लग्ना बटाइलपाछे उहाँ घुमके आगैलै,” वैद्य चौधरी स्मरण करलै, “मै डेढ खोरिया जाँडक भरमे उ महिलाहे नेंग्नहा बनाके बठाडेनु ।”

बिरामी समस्या सुनैटी किल कौन ठाउँमे नशा डबल बा कना ठम्याइना उहाँ विपरित दिशामे मालिस कैके नशाहे सामान्य अवस्थामे लन्ना करठै । उपचारके लाग गौरीगङ्गा नगरपालिकाके शेरबहादुर चौधरी ओ धनगढीके अर्पण चौधरी अस्पताल जाके नैचोखाके आपन समस्या यहाँ आइलपाछे चोखाइल अनुभव सुनैलै । परम्परागत इ उपचार विधिहे आधुनिक विज्ञानसे स्वीकार नैकैलेसे फेन ओहकानमे नशाके समस्या रहल डाक्टरसमेत मालिस कराइ अइना करल चौधरीके दाबी रहल बा । दाङसे बझाङ, बाजुरा ओ भारतके बिरामी समेत ओहकानमे पुग्ना करल बटै । उहाँ इ सक्कु सेवा नि:शुल्क प्रदान कैटी आइल बटै । “कोइ खुसी होके ज्या डेठै, उ किल लेना करल बटु,“ उहाँ कहलै, “आजसम पैसा भर कुहीसे मागल नैहुइटु ।”

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.
Advanced Healthcare for all...

सिटी स्क्यान सेवा
फिजियोथेरापी सेवा
Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू
- जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन — भेट्ने समय: विहान ८:३०-९:३० र बेलुकी ४-५ बजेसम्म
- स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ११-२ र बेलुकी ४-६ बजेसम्म
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
- मुटु रोग विशेषज्ञ — भेट्ने समय: विहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संविधान संशोधनके मुद्दा

विचार
बेनीबहादुर कार्की

> अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगके साथे अन्य आयोगके पुनरवलोकन आवश्यक बा। सुशासनके लाग संवैधानिक आयोगके पुनरवलोकन कैकै सब आयोगहे चुस्त दुरुस्त बनाइ परठ। भ्रष्टाचार नियन्त्रण ओ सुशासन कायम करना जरुरी बा। पहिले जस्टे हुइना हो कलेसे आब नेपाली जनता क्षण भर फेन सहन अवस्थामे नैहो। नेपालके संविधान २०७२ के जारी फेन हतारमे हुइल अनुभव करल हो। टबेमारे यी संविधान लागु हुइलपाछे कार्यान्वयनमे ढेर कठिनाइ भोगे परल हमार अनुभव बा। उ कठिनाइके पहिचान कैके संशोधन करना आवश्यक बा। संविधानमे व्यवस्था करल कुछ प्रावधान लागु नैहुइल अवस्था फेन बा। जस्टे धारा १३३ मे व्यवस्था हुइल अनुसार आयोगके अनुगमन समिति। अस्टेक, राज्यके निर्देशक सिद्धान्त ओ नागरिकके मौलिक हक कार्यान्वयनबारे संविधानमे पुनरवलोकन हुइना आवश्यक बा। यी संविधान लागु हुइल दिनसे आजसमके अनुभवके आधारमे संविधानहे विवेचना कैके पुनरवलोकन ओ परिमार्जन करे परठ। अपरिपक्व ढंगसे हचुवाके भरमे संविधान संशोधन करे नैहुइठ।

नेपालके संविधान २०७२ के धारा २७४ अनुसार संविधान संशोधनके बहस सुरु हुइल बा । यीआघे संविधान संशोधनके लाग टमान चो आवाज उठ्लेसे फेन यी काम सुरु हुइ सेकल नैहो । केपी शर्मा ओली नेतृत्वके नेपाली कांग्रेससमेतके संयुक्त सरकारसे संविधान संशोधन करना कलेक सरकार बनैलेसे फेन यी काम सुरु नैकरल । यी अवस्थामे गैल भदौमे जेनजी विद्रोह हुइल । वालेन्द्र शाह नेतृत्वके सरकार भर निर्वाचनमे करल प्रतिबद्धता अनुसार संविधान संशोधनके लाग असीम शाहके संयोजकत्वमे समिति गठन करल । यी समिति सबके सुझाव संकलन कैके बहसपत्रके तयारी करटि बा । यी समिति अपन सुझाव मन्त्रीपरिषद्समक्ष पेस करले बा । मन्त्रीपरिषद् आवश्यक छलफल ओ संवैधानिक प्रक्रिया पूरा कैके संसद्समक्ष पेस करले बा । प्रतिनिधि सभा ओ राष्ट्रिय सभा दुनु सदनसे पारित करलआछे राष्ट्रपतिसमक्ष पेस करजाइठ । राष्ट्रपतिसे स्वीकृत हुइलपाछे संविधान संशोधन हुइना संवैधानिक व्यवस्था बा । संसारके टमान देशमे संविधान चलायमान हुइना करल बा । अर्थात् समयानुकूल संशोधन करना करल बा । नेपालके संविधानके धारा १३३ के आधारमे १० वर्षमे संविधानके समीक्षा करना व्यवस्था बा मने यीआघेक सरकार संविधान संशोधनके हवाला डेके फेन नैकरल । वर्तमान सरकार अपन प्रतिबद्धता अनुसार समयमे यी कामके सुरु करना सकारात्मक ओ स्वागतयोग्य काम हुइल बा ।

संविधान संशोधन जटिल काम हो । यी सहजिल विषय नाइहो । यी काम विवादरहित फेन प्रायः नैहुइठ । टबेमारे यी काममे अभिन फेन विवाद ओ बहस हुइटि बा । अइसिन हुइना स्वाभाविक हो । जा जा हुइलेसे फेन काम नैहुइनासे हुइना लाख गुना मजा हो । ओम्ने फेन यी संविधान संशोधन समिति नाइहो । केवल बहसपत्र सुझाव समिति किल रहल ओरसे विवादके खास अर्थ नैरहठ । अन्ततः यिहे कारणसे संविधानमे आवश्यक संशोधन हुइलमे सबके हित हुइ । नेपाल ओ नेपालीके अग्रगमनके डगर खुलल बा । नेपालके मौजुदा संविधानमे संशोधनके तयारी हुइटिरहल पूर्वसन्ध्यामे यहाँ लाग सुझाव प्रस्तुत करल बा ।

सर्वप्रथम एकचो आमूल परिवर्तन सम्भव नैहुइठ । परिवर्तन हुइलेसे फेन पाच्य हुइना मुस्किल रहठ । टबेमारे संरचनासे स्वरूपमे परिवर्तन आवश्यक बा । केन्द्र ओ प्रदेशमे सांसद ओ मन्त्रीके संख्या धेर रहल ओरसे राष्ट्रके खर्च बह्रल बा । सांसद ओ मन्त्रीके संख्या आधासे ढेर घटाके देशके खर्च बचाइ परठ, यिहिनसे सरकारी खर्चमे मितव्ययिता हुइठ । संरचना ओहे रहठ । स्वरूप राष्ट्रसे थेगे सेक्ना रहठ ।

नेपालमे अब्बे संघीय शासन बा मने वास्तविक रूपमे संघीयताके कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । यिहिनसे जनतामाझ असन्तोष छाइल बा । टबेमारे तीन तहके सरकार संविधानके भावना अनुसार अधिकारके बाँडफाँट हुइना व्यवस्था करना आवश्यक बा । संघीयताके शक्ति केन्द्रीकृत हुइल आमगुनासो बा । प्रदेश सरकारसमेत यिहे गुनासो केन्द्रसमक्ष पोखल बा । स्थानीय सरकारके गुनासो टे पलि बा । टबेमारे संघीयताके भावना अनुसार व्यवहारमे कार्यान्वयन हुइना मेरिक संविधानमे संशोधन आवश्यक बा ।

निर्वाचन प्रणाली सुधारके लाग संविधान संशोधन करना फेन अब्बेक आवश्यकता हो । निर्वाचन प्रणाली खर्चिलो बा । जनमुखी नैहो । टबेमारे निर्वाचनहे चुस्त ओ कम खर्चिलो बनैना जरुरी बा । धनवाद ओ डनवादमुखी मौजुदा निर्वाचन प्रणालीहे सर्वसाधारणके पहुँचमे हुइना मेरिक बनैना जरुरी बा, यिहिनसे जनगुनासो हटैना मद्दत करठ । यिहे गुनासोहे ध्यान डेके वालेन सरकार स्थानीय तहहे दलविहीन बनैना सोचके साथ पहल करल फेन सुन्नामे आइल बा । दलीय व्यवस्था रलेसे फेन निर्वाचित हुइलपाछे जनमुखी होके निष्पक्षताके साथ काम करना वातावरणके व्यवस्था संविधानमे करे परठ ।

अस्टेक, न्याय प्रणालीमे फेन सुधारके खाँचो बा । वर्तमान न्याय प्रणाली स्वतन्त्र रहे नैसेकल, न्याय सेवामे कार्यपालिका हाबी हुइल कना आमगुनासो बा । न्यायाधीश नियुक्तिमे कार्यपालिकाके कोटासे नियुक्त हुइल ओरसे निष्पक्ष हुइ सेकि कना फेन बा । न्याय परिषद्के स्वरूपमे परिवर्तन कैके न्यायपालिकाहे स्वतन्त्र, निष्पक्ष कैसिक बनाइ सेक्जाइ, ओम्ने गृहकार्य आवश्यक बा । न्यायाधीश नियुक्ति निष्पक्ष करना (खुला प्रतिस्पर्धासे) ओ न्यायपालिकाके बहुमत न्यायपरिषद्मे हुइना व्यवस्था संविधानमे करलपाछे न्यायपालिका अब्बेक से स्वतन्त्र ओ निष्पक्ष रहठ । हाल राष्ट्रपतिसमक्ष पेस करना आध्यादेश फेन यकर लाग हुइ सेकि । संविधानके भावना अनुसार न्यायपालिका संघीय स्वरूपमे नैरहल ओरसे समस्या यहाँ फेन डेखाइल बा । सर्वोच्च अदालतहे किल विशेष अधिकार रहल ओरसे संविधानसँग बाझल सब मुद्दा सर्वोच्च अदालतसे किल निरूपण करल ओरसे स्थानीय ओ प्रदेशस्तरके कानुन कार्यान्वयनमे कठिनाइ हुइल अनुभव करल बा । टबेमारे सब मुद्दामे सब तहके अदालतमे सुनवाइ हुइ सेक्ना ओ पुनरावेदनमे जैना व्यवस्था संविधानमे हुइना आवश्यक बा ।

मौजुदा शासन प्रणाली संसदीय हो । वेस्ट मिनिस्टर मोडलके हो मने दुई वर्षसम प्रधानमन्त्रीहे अविश्वासके प्रस्ताव डेहे नैपैना खिचडी व्यवस्था फेन संविधानमे रहल बा । यी व्यवस्था संसदीय व्यवस्थासँग मिलल नैहो । टबेमारे यिहिनहे हटैना आवश्यक बा । यी व्यवस्था करलमे सरकार पहिल दिनसे जनताके हितमे काम सुरु करि ओ स्वतः विवाद कम हुइ ।

संवैधानिक परिषद्मे सर्वसम्मत व्यवस्था हटैना आवश्यक बा । दलीय व्यवस्थामे सर्वसम्मतके परिकल्पना काल्पनिक हो । ओम्ने फेन यी परिषद्मे प्रमुख प्रतिपक्षी दलके नेता ओ प्रतिनिधि सभाके उपसभामुखसमेत सदस्य रहना व्यवस्था रहल ओरसे सर्वसम्मत हुइ नैसेकि । यिहे कारण विगतमे काम हुइ नैसेकल तित अनुभव फेन हमारसँग बा । टबेमारे अन्य समितिमे अभिन बहुमतसे काम हुइना प्रावधान यी परिषद्मे फेन करना जरुरी बा ।

संसदीय सुनवाइ समितिके सुनवाइ व्यावहारिक नैरहल विगतके अनुभव बा । निश्चित समयपाछे सुनवाइ नैहुइलेसे फेन सुनुवाइ सरह हुइना हो कलेसे सुनवाइ काहे हुइपरना ? फेन सदन नैबैठल समयमे काम रोक्ना हुइल ओरसे औचित्य ओ व्यावहारिक कठिनाइके कारणसे फेन यी सुनवाइ अनावश्यक डेखाइल बा । यिहिनसे फेन पुनर्विचार करना आवश्यक बा ।

शासकीय स्वरूपके प्रभाव स्थायी सरकार कना कर्मचारीतन्त्रमे प्रत्यक्ष रूपमे परल रहठ । कुछ सचिव टे मन्त्रीहे ढोकासे अइठैं ओ जस्केलासे जैठैं, मैटे एकडम मूल ढोकामे रठु कना करल फेन सुन्नामे आइल रहे । टबेमारे कर्मचारी तन्त्रहे चुस्त, दुरुस्त ओ भ्रष्टाचाररहित बनैना संविधान संशोधन कैके व्यवस्था करना अपरिहार्य बा । नैटे भ्रष्टाचार नियन्त्रण हुइ नैसेकि ओ कर्मचारीसे अब्बेसे असल ओ सर्वसुलभ सेवा पैना अपेक्षा फेन करे नैसेक्जाइ ।

अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगके साथे अन्य आयोगके पुनरवलोकन आवश्यक बा । सुशासनके लाग संवैधानिक आयोगके पुनरवलोकन कैकै सब आयोगहे चुस्त दुरुस्त बनाइ परठ । भ्रष्टाचार नियन्त्रण ओ सुशासन कायम करना जरुरी बा । पहिले जस्टे हुइना हो कलेसे आब नेपाली जनता क्षण भर फेन सहन अवस्थामे नैहो ।

नेपालके संविधान २०७२ के जारी फेन हतारमे हुइल अनुभव करल हो । टबेमारे यी संविधान लागु हुइलपाछे कार्यान्वयनमे ढेर कठिनाइ भोगे परल हमार अनुभव बा । उ कठिनाइके पहिचान कैके संशोधन करना आवश्यक बा । संविधानमे व्यवस्था करल कुछ प्रावधान लागु नैहुइल अवस्था फेन बा । जस्टे धारा १३३ मे व्यवस्था हुइल अनुसार आयोगके अनुगमन समिति । अस्टेक, राज्यके निर्देशक सिद्धान्त ओ नागरिकके मौलिक हक कार्यान्वयनबारे संविधानमे पुनरवलोकन हुइना आवश्यक बा । यी संविधान लागु हुइल दिनसे आजसमके अनुभवके आधारमे संविधानहे विवेचना कैके पुनरवलोकन ओ परिमार्जन करे परठ । अपरिपक्व ढंगसे हचुवाके भरमे संविधान संशोधन करे नैहुइठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

प्रदेश सभा बैठक
दुई विधेयक एक बरससे सचिवालयमे

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २० बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे प्रदेश सभा सचिवालयमे दर्ता कैके दुई विधेयक एक बरससे सचिवालयमे थन्कल बावै ।

सभा सञ्चालन हुइलेसे फेन पुरान दर्ता हुइल विधेयक आघे नैबह्राइबर टीकापुर विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक ओ बरघर/भलमनसा प्रथा संरक्षण तथा विकास सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक सचिवालयमे थन्कल बावै । इ दुई विधेयक सचिवालयमे दर्ता हुइल एक बरस होसेकल बा ।

प्रदेश सरकारसे टीकापुर विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयकहे, २०८१ चैत ३ गते प्रदेश सभा सचिवालयमे दर्ता करल रहे । ओस्टके बरघर/भलमनसा प्रथा संरक्षण तथा विकास सम्बन्धमा व्यवस्था कैना बनल विधेयकेह सरकारसे २०८२ जेठ २१ गते प्रदेश सभा सचिवालयमे दर्ता करल रहे । विगतमे ढेरचो बिजनेस अभावके पीडा भोगल प्रदेश सभासे इ दुई विधेयकहे भर एक बरससे आघे बह्राइ सेकल नैहो ।

विधेयक आघे नैबह्राइल प्रति सत्तारूढ दल नेपाली कांग्रेससे असन्तुष्टि प्रकट करले बा । मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहके अध्यक्षतामे बैठल उ पार्टीके दलके बैठकसे इ डुनु वधेयकहे प्रदेश सभामे अविलम्ब आघे बह्रैना सभामुख भीमबहादुर भण्डारीहे आग्रह कैना निर्णय करल बा ।

संसद् सचिवालयमे दर्ता हुइल एक बरस बिट्लेसे फेन उ विधेयक सदनमे प्रस्तुत नैहोके छलफल फेन हुइ सेकल नैहो । इ अवस्थासे संसद्के कार्यप्रणालीउपर नै प्रश्न उठ्ना कहटी संसदीय दलसे उ विधेयक अविलम्ब सदनमे पेस कैके आवश्यक छलफल आघे बह्रैना सभामुखहे आग्रह करल बा । दलके प्रमुख सचेतक विक्रमसिंह धामी डुनु विधेयक सभामे पेस हुइलेसे छलफललगायतके कार्य आघे बह्रना हुइल ओरसे हाली सभामे लैजैना आग्रह कैना बटैलै । उहाँ कहलै, “डुनु विधेयकमे ढिला हुइटी रहल बा । सभामे पेस हुइलमे कम्तीमे छलफल होके प्रक्रिया टे आघे बह्रट ।”

आन्तरिक मामिला तथा कानुनमन्त्री हिरा सार्की भर डुनु विधेयक सदनमे पेस होके विचाराधीन अवस्थामे रहल जानकारी डेलै । उहाँ कहलै, “सभाके बैठक बैठलपाछे आब ओम्ने छलफल हुइ ।”

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।
–सम्पादक

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यलिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यलिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यलिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

सुदूरपश्चिम सरकारके २५ प्रतिशत किल बजेट खर्च

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक बरस २०८२/८३ के हालसम करिब २५ प्रतिशत किल बजेट खर्च करल पाइल बा । प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय धनगढीके अनुसार ३३ अर्ब ४३ करोड २१ लाख ९८ हजार रुपैयाँ विनियोजन हुइल मध्ये ८ अर्ब २९ करोड ७६ लाख ९४ हजार रुपैयाँ किल खर्च हुइल हो, जौन कुल बजेटके २४.८२ प्रतिशत हो ।

आर्थिक बरस ओरैना साढे दुई महिना किल बाँकी रहेबर सरकारसे बाँकी करिब ७५ प्रतिशत बजेट खर्च करे पर्ना दायित्व रहल बा । इ अवधिमे करिब २५ अर्ब १३ करोड रुपैयाँ खर्च करे पर्ना दबाब सरकारहे डेखल बा ।

गैल बरसके जस्टे इ बरस फेन पुँजीगतसे चालु खर्च ढेर रहल बा । चालु ओर १३ अर्ब ५८ करोड रुपैयाँ विनियोजन करलमे हालसम ४ अर्ब ६९ करोड ५५ हजार रुपैयाँ खर्च होके ३४.५६ प्रतिशत प्रगति हुइल बा । मने पुँजीगत ओर १९ अर्ब ८३ करोड रुपैयाँमध्ये जम्मा १८.१६ प्रतिशत किल खर्च हुइल बा ।

प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके तथ्यांकअनुसार पुँजीगत खर्च ८ अर्ब २९ करोड रुपैयाँमे सीमित हुइबर प्रदेशके विकास निर्माणके काम सुस्त गतिमे आघे बह्रटी रहल डेखल बा ।

सबसे ढेर बजेट रहना भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयके अवस्था फेन कमजोर डेखल बा । १५ अर्ब २८ करोडसे ढेर बजेटमध्ये हालसम ३ अर्ब २२ करोड रुपैयाँ किल खर्च हुइल बा, जौन २१ प्रतिशत प्रगति हो । इहीसे सडक, पुल तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारके काम अपेक्षाकृत सुस्त रहल संकेत करठ् ।

डुसरा ढेर बजेट रहल सामाजिक विकास मन्त्रालयसे ६ अर्ब ९४ करोडमध्ये २ अर्ब २४ करोड रुपैयाँ खर्च कैटी ३२.५१ प्रतिशत प्रगति करले बा । इ मन्त्रालयमे फेन चालु खर्च ४५ प्रतिशत पुगल रलेसे फेन पुँजीगत खर्च १५ प्रतिशतके हाराहारीमे सीमित रहल बा ।

भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयसे ३ अर्ब २६ करोड बजेटमध्ये ५७ करोड रुपैयाँ किल खर्च कैटी १७.५ प्रतिशत प्रगति रकले बा । उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालयसे २ अर्ब ३२ करोडमध्ये ६० करोड खर्च कैके २६ प्रतिशत प्रगति हुइल जनैले बा ।

आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालयसे ३४ करोड बजेटमध्ये ६ करोड ७८ लाख खर्च कैटी २० प्रतिशत प्रगति करले बा । मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालयके खर्च २९ प्रतिशत ओ आर्थिक मामिला मन्त्रालयके ३४ प्रतिशत रहल बा ।

संवैधानिक निकायमध्ये प्रदेश व्यवस्थापिकासे ५३.२१ प्रतिशत खर्च कैटी तुलनात्मक रूपमे मजा प्रगति डेखैले बा कलेसे प्रदेश लोक सेवा आयोगके खर्च ३७ प्रतिशत ओ प्रदेश योजना आयोगके २७.३७ प्रतिशत रहल बा । स्थानीय तहहे हस्तान्तरण करल ३ अर्ब ६३ करोड बजेटमध्ये ३३.८५ प्रतिशत खर्च हुइल बा । मने अर्थ विविध ओ वित्तीय व्यवस्था शीर्षकअन्तर्गतके बजेट भर हालसम खर्च नैहुइल डेखगैल बा ।

समग्रमे प्रदेश सरकारके बजेट खर्च अवस्था हेरेबर चालु ओरके तुलनामे पुँजीगत खर्च कमजोर डेखजाइठ् । आर्थिक वर्षके अन्त्य लच्क्यइटी रहल बेला न्यून खर्च हुइनाके कारण योजना छनोट, ठेक्का प्रक्रिया, प्रशासनिक ढिलाइ तथा कार्यान्वयन क्षमतामे कमजोरी रहल डेखजाइठ् ।

प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके प्रमुख लेखा नियन्त्रक वासुदेव जोशी बजेट खर्चमे टमान कारणसे प्रभाव पारल बटैलै । नयाँ कार्यक्रम तथा योजनाके लागत अनुमान, टेन्डर प्रक्रिया, जेन्जी आन्दोलन, खर्च कटौतीके व्यवस्था ओ उपभोक्ता समितिसे काम नैकैना निर्णयजैसिन कारणसे खर्च ढिला हुइल उहाँके कहाइ रहल बा ।

आर्थिक बरसके अन्त्य हुइटी रहल बेला हतारमे बजेट खर्च कैना प्रवृत्ति दोहरे सेक्ना जोखिम बह्रटी गैल बा, जिहीसे विगतमे जस्टे कामके गुणस्तरमे असर पर्ना सम्भावना डेखल बा ।

कैलाली निर्माण...

नीतिगत उपमहासचिवमे योगेन्द्रबहादुर चन्द ओ आन्तरिक उपमहासचिवमे सिद्धराज भट्ट रहल बटै ।

कोषाध्यक्षमे सुरेन्द्रराज भट्ट तथा सह–कोषाध्यक्षमे मणिराज भट्ट उम्मेदवार बनल बटै । सदस्यमे चक्रबहादुर मल्ल, बिनोद बिष्ट, टेकबहादुर खड्का, टेकराज जोशी, शिवराज सापकोटा ओ रुद्रप्रसाद पन्त रहल बटै । महिला सदस्यओर शुभलक्ष्मी हमाल ओ आदिवासी/दलित सदस्यओर मदन बिसी उम्मेदवार रहल बटै ।

ओस्टेक करके भुगोल ओरसे धनगढी उपमहानगपालिकासे दिपेन्द्र साउँद, गोदावरी नगरपालिकासे गोकर्ण बिष्ट, टिकापुरसे दिपेन्द्र साउँद, गौरीगंगासे गणेश कलेल, घोडाघोडीसे सुरेश बोगटी, लम्कीचुहासे विष्णु शाही, भजनीसे युवराज चौधरी, कैलारीसे दिलिप रोकाया, जानकीसे प्रबिण राना, जोशीपुरसे खगेन्द्र मौनी, बर्दगोरियासे नविन कुंवर, मोहन्यालसे कमल बयाला ओ चुरेसे दिलबहादुर भाट उम्मेदवार रहल बटै ।

यी आघे अध्यक्षके दाबेदार मानल धिरेन्द्र साउँदसे जोशी प्यानलसे बरिष्ठ उपाध्यक्षमे उम्मेदवारी डेले बटै, जिहीसे चुनावी समीकरणहे थप रोचक बनाइल बा । उम्मेदवार घोषणा कार्यक्रममे नेपाल निर्माण व्यवसायी महासंघके उपाध्यक्ष प्रकाशबहादुर सेठी, प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण स्वार, जिल्ला अध्यक्ष टेक बहादुर मल्ल, केन्द्रीय सदस्यद्वय लक्ष्मण साउद ओ मदन सिंह धामी लगायत निर्माण व्यवसायीहुकनके उपस्थिति रहल रहे ।

संघके २९ औं साधारणसभा तथा १२ औं अधिवेशन यिही बैशाख २४ ओ २५ गते संघके कार्यालयमे हुइना तय हुइल बा । अधिवेशन लग्गे हुइटी जाके नेतृत्वके लाग प्रतिस्पर्धा झन् चर्कटी गैल डेखजाइठ ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

सोनपाल सावउस परिवार

भजनी-९, बिचटोल भुरुवा, कैलाली

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

वनदेवी सावउस परिवार

भजनी-९, कुँरी, कैलाली

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

भुर्काभुर्की सावउस परिवार

घोडाघोडी-१०, लठैया, कैलाली

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

- गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका

४ नम्बरको कार्यालय

खैलाड, कैलाली

ग्राहक वर्गहरुमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

मुक्तकमैयाके समस्या समाधान कैना सरकार प्रतिबद्ध बा : मन्त्री चौधरी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० बैशाख । कृषि तथा पशुपन्छी विकास, वन तथा वातावरणमन्त्री गीता चौधरी मुक्तकमैया समुदायके गाँस, बास, शिक्षा, स्वास्थ्य ओ रोजगारीके समस्या समाधान कैना सरकार प्रतिबद्ध रहल बटैले बटी ।

मुक्तकमैया समाज जिल्ला समिति कञ्चनपुरके आयोजनामे शुक्लाफाँटा नगरपालिका-१० झलारीस्थित खुला मञ्चमे आयोजित जागरणसभामे उहाँ मुक्तकमैया, हलिया, हरवाचरवा तथा कम्लरीके अधिकारके लडाइँमे सरकार सँगसँगे आघे बढ्ना बटैली ।

अपने फेन इहे समुदायके छाइ रहल ओरसे इ क्षेत्रप्रति आउर जिम्मेवार होके काम कैना उल्लेख कैटी मन्त्री चौधरी भूमिसम्बन्धी समस्या समाधानहे प्राथमिकतामे राखके काम कैना धारणा रख्ली ।

"अपनेन्के समस्या मोर फेन समस्या हो, मै इ बारे जानकार बटु । ओहेमारे अधिकारके लडाइँमे मै ओ सरकार अपनेन्सँगे बा", उहाँ कहली ।

कार्यक्रममे प्रतिनिधिसभा सदस्य कृपाराम राना मुक्तकमैया, कम्लरी, हलियालगायत आरक्ष पीडितके न्यायिक पुनःस्थापनके लाग सरकार गम्भीर हुइ पर्नामे जोड डेलै ।

"कतिपयसँग लालपुर्जा बा, मने जग्गा नैहो । कहाँरो जग्गा बा, मने लालपुर्जा नैहो", उहाँ कहली, "डेहल जग्गा लडिया किनार वा वन क्षेत्र लग्गे रहल ओरसे प्रयोगयोग्य नैहो, बारह्पहिरोके जोखिममे बैठे पर्ना बाध्य बावै, आब अइसीन अवस्था अन्त्य हुइ परल ।"

प्रतिनिधिसभा सदस्य ज्ञानेन्द्रसिंह महत मुक्तिके घोषणा किल पर्याप्त नैरहल कहटी पुनःस्थापना, सुरक्षित आवास ओ आधारभूत सेवाके सुनिश्चितताके लाग सरकार काम करे पर्ना बटैलै ।

"महिन विश्वास बा, आब नागरिक सरकार खोज्टी नेंगे पर्ना अवस्था नैहो, सरकार नै नागरिकसम पुगके समस्या समाधानमे केन्द्रित हुइ," उहाँ कहलै ।

मुक्तकमैया समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरी मुक्त घोषणा हुइल दुई दशकसे ढेर समय हुइलेसे फेन अधिकांश समस्या समाधान हुइ नैसेकल गुनासो करलै ।

"कुछ परिवारके पुनःस्थापना हुइलेसे फेन तीन हजारसे ढेर मुक्तकमैया परिवार आभिन पुनःस्थापनाके पर्खाइमे बटै", उहाँ कहलै, "ढेर जाने परिचयपत्र पैले बटै मने जग्गा पाइल नैहुइट । राज्यसे पैना सुविधाके सुनिश्चितता कैना सरकारसे काम करे परल ।"

जागरणसभाके अन्य वक्ताहुक्रे मुक्त कमैया समुदायके दिगो पुनःस्थापना, भूमि व्यवस्थापन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी तथा आधारभूत सेवामे पहुँच सुनिश्चित कैना राज्यसे प्रभावकारी नीति ओ ओकर कार्यान्वयन करे पर्नामे जोड डेहल रहिट ।

उहे बिच मन्त्री चौधरी दैजी बेदकोट नगरपालिकास्थित दैजी छेला औद्योगिक क्षेत्रके अवलोकन करल रही । उहाँसँगे प्रतिनिभिसभा सदस्य राना, महता, बेदकोट नगरपालिका प्रमुख भोजराज बोहरालगायत उ क्षेत्रके अवलोकन करल रहिट ।

उहे क्रममे मन्त्री चौधरी ओद्योगिक क्षेत्रके निर्माण प्रक्रियाके विषयमे बुझके प्रक्रिया आघे बढ्हैना सहजीकरण कैना प्रतिबद्धता जनाइल रही ।

"सरकारसे कानुनी तथा प्रशासनिक सुधारमार्फत समस्या समाधान कैना काम करटी रहल बा", उहाँ कहली, "जनताके अपेक्षाहे निराशामे परिणत हुइ नैडेना मेरके अहोरात्र खटके काम करटी रहल बटी । औद्योगिक क्षेत्रलगायत स्थानीयके माग सम्बोधनके लाग आवश्यक पहल कैना मै प्रतिबद्ध बटु ।"

तीन दशकसे चर्चामे रहल कञ्चनपुरके बेदकोटस्थित दैजी छेला औद्योगिक क्षेत्र पाँच बरस आघे शिलान्यास हुइल रहे, मने निर्माणकार्य आघे बह्रे सेकल नैहो ।

करिब ९०० बिघा क्षेत्रफल, रु नौ अर्ब लागत अनुमान ओ २२ हजार रोजगारीके अपेक्षा करलेसे फेन वन फँडानी ओ प्रक्रियागत जटिलताके कारण काम आघे बह्रे नैसेकल जनाइल बा ।

किसानके समस्या...

उहाँ थरुहट आन्दोलनके बेला टीकापुर घटनामे ढेर थारु समुदायके व्यक्तिउप्पर मुद्दा लागल कहटी सरकारसे ओकर समाधान कैना आग्रह करलै ।

थारु बुद्धिजिवी कुन्ना नारायण चौधरी भारतसे आलु प्याजके निर्यातसे यहाँके किसान मारमे परल कहटी उहीसे रोकथाम कैना आग्रह करलै ।

थारु बुद्धिजीवि रामदास चौधरी कृषि यान्त्रीकरण अनुदानमे नाउँमे गैर कृषकसे फाइदा लेहल बटैलै ।

पत्रकार अविनास चौधरी कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ७ ओ पाँचमे हजारौ वाढी पीडित ओ मुक्तकमैया सामुदायिक वनके जग्गामे बैठना बाध्य रहल कहटी सरकारसे हटाई कलेसे ओकर कुछ विपल्प डेना आग्रह करलै । उहाँ कहलै, वाढ पीडित वनके किनारमे बाध्य हुके बैठल हुइट । यदि सरकार हटाई कलेसे मोहना कटैनी लडियामे अइना बाढ ओ कटानमे विकल्प खोज्ना जरुरी बा । कार्यक्रममे महेश चौधरी, प्रेम चौधरी, उन्नती चौधरीलगायतसे मन्त्री चौधरीहे थारु समदाय, मुक्तकमैया कमलरी, ओ किसानहे समस्याबारे बाट राखल रहिट ।

प्रेस स्वतन्त्रता दिवस मनागिल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० बैशाख । विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवसके अवसरमे धनगढीमे ऐक्यबद्धता ऱ्याली सम्पन्न कैगिल बा ।

नेपाल पत्रकार महासंघ कैलाली जिल्लाके आयोजनामे हुइल उ कार्यक्रममे नेपाल पत्रकार महासंघके पुर्व सुदूरपश्चिम प्रदेश संयोजक मनमोहन स्वाँर पत्रकारके हकहित ओ पेशागत सुरक्षाके लाग अब पहिलेसे थप सशक्त रूपमे आघे बढ्हेपर्ना आवश्यकता औंल्यइलै ।

इन्सेकके प्रदेश संयोजक खड्कराज जोशी लोकतन्त्रमे प्रेस स्वतन्त्रताके महत्वपूर्ण भूमिका रना उल्लेख करटी कौनोफे बहानामे यिहीहे नियन्त्रण कैना प्रयास स्वीकार्य नैहुइना धारणा रख्लै ।

ओस्टेक राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग सुदूरपश्चिम प्रदेशके अधिकृत विदेशराम चौधरी अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता कुण्ठित कैना कौनोफे गतिविधि सहृय नैहुइना बटैलै । नेपाल पत्रकार महासंघके केन्द्रीय सदस्य योगेन्द्र बलायर पछिल्का समय प्रेस स्वतन्त्रता हननके घटना बढ्टी रहलप्रति ध्यानाकर्षण करैटी सक्कु सञ्चारकर्मीहे आचारसंहितामे आधारित रना समाचार संकलन कैना आग्रह करलै ।

महासंघ कैलालीके अध्यक्ष श्रवण देउवाके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके सञ्चालन तेजराज भट्ट करले रहिट ।

पिलिया कमलपित्त उपचारका लागि हामीलाई सम्झनुहोस् ।

अब पिलियाका बिरामीले ज्यान गुमाउनु पर्दैन ।

आयुर्वेदिक जडीबुटीद्वारा पिलिया, कमलपित्त, जण्डिसको उपचार गरिन्छ । साथै बिच्छीको टोकाइ, बच्चाको झालो नजर लागेको, जिब्रोमा दाना आएको लगायतको अरु पनि विभिन्न उपचारहरू आयुर्वेदिक विधिद्वारा गरिन्छ ।

नोटः अब पिलिया ७ दिनमा ठिक गरिन्छ ।

५० वर्षदेखि सेवा गर्दै आएको अनुभव ।
अमूल्य जीवन बचाउन चाहनुहुन्छ भने हामीलाई सम्पर्क गर्नुहोला ।

वैद्यको घर — आरपी फ्लोर मिल — ३ ल्यान रोड

वैद्य : चन्द्रबहादुर
गोदावारी-५, गेटा, भैरव टोल
मो. ९७६६४२२८७६
९८४३७१४७८३

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका
२ नम्बरको कार्यालय
रजवारा, कैलाली

स्वच्छ शहरः स्वस्थ्य शहर

- धुवाँ बढी फाल्ने सवारीसाधनको प्रयोग नगरौं,
- सवारीसाधनको समयसमयमा मर्मतसम्भार गरौं,
- तोकिएको स्थानमा मात्र फोहोर फालौं,
- करेसाबारी, सडक छेउ र सार्वजनिक स्थानमा वृक्षरोपण गरौं,
- सार्वजनिक स्थलका बोटविरुवा तथा फूलको संरक्षण गरौं,
- स्वच्छ पानी र सरसफाइमा ध्यान दिऔं,
- ध्वनि र वायु प्रदूषण कम गरौं,
- सडकको समयसमयमा मर्मतसम्भार गरौं,
- सडकमा निर्माण सामग्री नराखौं।

शहरलाई सफा राखौः सुन्दर बनाऔं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरु:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Kailali Hospital Pvt. Ltd. 2070
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९